आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 108 | उज्जैन, सोमवार 10 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जनजातीय संस्कृति में भगोरिया हाट का है विशेष महत्व-मुख्यमंत्री

भगोरिया के आनंद और उल्लास को देख मन हुआ प्रफुल्लित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को पानसेमल के पारंपरिक लोक उत्सव भगोरिया हाट में कहा कि जनजातीय संस्कृति में भगोरिया का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि हमारे त्यौहार और संस्कृति हमारी परम्परा को दर्शाते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय वेशभूषा पहनकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विशेष रूप से सजी हुई गाड़ी में भगोरिया मेले का आनंद लिया। मुख्य मंत्री डॉ. यादव ने सभी को भगोरिया एवं होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगोरिये में पानसेमल क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति देखने को मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय संस्कृति में भगोरिया हाट का विशेष महत्व है। यह पर्व रबी की फसल कटाई के बाद मनाया जाता है। इसमें ग्रामीण भाई-बहन त्यौहारों के लिए विशेष खरीदी करते है। त्यौहारों में हम एक दूसरे से आपस में मिलकर आपसी वैमनस्य को समाप्त कर भाई-चारा बनाये रखते है। हम सब एक दूसरे से मिलजुलकर हमेशा जुड़े रहे यही हमारे त्यौहारों की विशेषताएं है, इसलिए हमे अपने त्यौहार, अपनी संस्कृति एवं परंपराओं का सम्मान करते हुए इन्हे सहेजना चाहिए।

मुख्यमंत्री का तीर कमान एवं कुलदेवी की टोकरी भेंट कर किया स्वागत

भगोरिया हाट में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनप्रतिनिधियों ने तीर कमान एवं कुलदेवी की टोकरी भेंट कर अभिनंदन किया। कुलदेवी की टोकरी गोल-गोल घूमते हुए देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हुआ भव्य स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पानसेमल नगरवासियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नगरवासियों ने अपनी दुकान, घरो, छतों, चौराहे से पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया।

तेलंगाना से बुरी खबर, सुरंग में फंसे 8 मजदूरों में से एक का शव मिला, खोजी कुत्तों की मदद से चल रहा बचाव अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में आंशिक रूप से ध्वस्त एसएलबीसी सुरंग के अंदर फंसे आठ मजदूरों में से एक का शव मिला है। बचाव दल ने कहा कि सुरंग के अंदर एक शव मिला है, जो मशीन में फंसा हुआ है। शव को निकालने के लिए मशीन को काटा जा रहा है।

खोजी कुत्तों ने लगाया था पता- बता दें कि मजदूरों का पता लगाने के लिए 15 दिनों से चल रहे अभियान में रविवार को तेजी लाई गई है। केरल से आए खोजी कुत्तों ने मलबे के नीचे मानव उपस्थिति के लिए एक संभावित स्थान की पहचान की थी। विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्तों ने 14 किलोमीटर लंबी सुरंग के अंतिम हिस्से में दुर्घटना स्थल से लगभग 100 मीटर दूर डी-2 प्वाइंट पर मानव उपस्थिति की पहचान की थी।

खुदाई कर निकाला गया शव- बचावकर्मी पहचाने गए स्थान पर सावधानीपूर्वक गाद की खुदाई कर रहे थे। इसी स्थान पर लापता व्यक्तियों में से एक का शव मिला है। बचाव दल को शनिवार रात मलबे के नीचे छह फीट नीचे एक व्यक्ति के मानव अंग भी मिले।

बचावकर्मी शव को बाहर निकालने के लिए स्थान के आसपास खुदाई कर रहे थे। लापता मजदूरों का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित दो कुत्तों को तीन दिन पहले एक विशेष हेलीकॉप्टर द्वारा केरल से लाया गया था।

कर्नाटक में सड़क हादसा, कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर; 5 लोगों की मौत

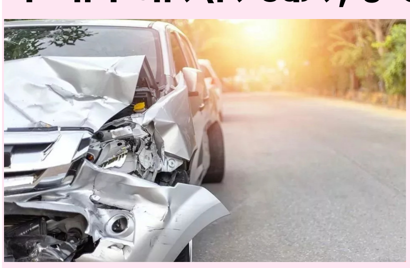

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई, इस टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा चित्रदुर्ग तालुक के सिबर गांव में हुआ। कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। वाहन में सवार लोग बेंगलुरु के रहने वाले थे। वहीं इससे पहले प्रयागराज जा रहे कर्नाटक के तीर्थयात्रियों की गाड़ी ट्रक से टकरा गई थी। इस घटना में छह की मौत हो गई थी, जबकि पांच घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रयागराज हाईवे पर मिर्जामुराद के पास शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे सड़क हादसे में पति पत्नी सहित कर्नाटक के छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए।

घायलों को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालात गंभीर है। कर्नाटक के बीदर से 11 लोग क्रूजर गाड़ी से तीर्थयात्रा पर निकले थे।

महाकुंभ के दौरान नहाने लायक था गंगा-यमुना का पानी, CPCB की नई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में बताया है कि महाकुंभ के दौरान गंगा औ यमुना नदी का पानी नहाने के लिए तय मानकों पर खरा उतरा है। ये रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को पेश की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेटा वेरिएबिलिटी के कारण स्टेटिस्टिकल एनालिसिस की दरकार थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्टेटिस्टिकल एनालिसिस की जरूरत इसलिए थी क्योंकि अलग-अलग तारीखों में सैंपल जमा किए गए थे और ये सभी सैंपल विभिन्न जगहों से लिए गए थे।

सही आकलन में क्या थी दिक्कतें- सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने कहा कि अलग अलग सैंपल की वजह से पूरी नदी के पानी के सही आकलन करना बेहद मुश्किल था।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने कहा है कि उसने महाकुंभ की शुरूआत के बाद से हर सप्ताह दो बार नदी के पानी की जांच और निगरानी की है।

रिपोर्ट में कहा गया कि 12 जनवरी से लेकर 28 फरवरी तक गंगा नदी की 5 जगहों और यमुना नदी की दो जगहों पर पानी की निगरानी की गई और इसके लिए विशेषज्ञों की एक कमिटी तैनात थी।

CPCB ने पिछले महीने गंगा की पानी का बताया था गंदा- 17 फरवरी को CPCB ने एनजीटी के चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की पैनल को बताया था कि महाकुंभ के दौरान कई स्थानों पर नहाने के लिए जल गुणवत्ता प्राथमिक मानकों पूरा नहीं करती है।

गोवा पुलिस का बड़ा एक्शन, 11 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स जब्त; राज्य में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा में एक व्यक्ति को 11.67 करोड़ रुपये मूल्य की हाइड्रोपोनिक वीड रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दावा किया कि गोवा के इतिहास में यह ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती है। पुलिस अपराध शाखा के प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को शनिवार को पणजी और मापुसा शहरों के बीच स्थित गुरिम गांव से गिरफ्तार किया गया है।

11 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स जब्त- प्रवक्ता ने कहा, ÷हमने उसके पास से 11.672 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया, जिसकी कीमत 11.67 करोड़ रुपये है। यह गोवा के इतिहास में ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती है। उस पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की सराहना करते हुए, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गोवा के सबसे बड़े ड्रग बस्ट के लिए क्राइम ब्रांच गोवा पुलिस को बधाई।

मुख्यमंत्री ने दोहराई जीरो टॉलरेंस की नीति- उन्होंने आगे कहा, एक बड़ी सफलता में, क्राइम ब्रांच ने एक ड्रग रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है, जिसमें 11.67 करोड़ रुपये की कीमत के 11.672 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह हमारे राज्य को ड्रग-मुक्त रखने में हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अथक प्रयासों का प्रमाण है।

दिगंतारा ने लॉन्च किया पहला कॉमर्शियल अंतरिक्ष निगरानी उपग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की बेंगलुरु स्थित सैटेलाइट कंपनी दिगंतारा ने दुनिया का पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष निगरानी उपग्रह लॉन्च किया। जो पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे पांच सेंटीमीटर तक के छोटे ऑब्जेक्ट को ट्रैक करने में सक्षम है, इसको शनिवार को लॉन्च किया गया। सैटेलाइट ने शनिवार को परिचालन शुरू किया। दिगंतारा ने 14 जनवरी को स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-12 रॉकेट पर अंतरिक्ष निगरानी उपग्रह एससीओटी (ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग के लिए स्पेस कैमरा) लॉन्च किया था।

स्वावलंबी और सशक्त नारी के बल पर होगा विकसित भारत का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बोलीं राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि यह दिवस मनाने की परंपरा के पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस कालखंड में नारी समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। मैं अपनी जीवन यात्रा को भी इसी प्रगति की कड़ी मानती हूं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में नारी नेतृत्व से विकसित भारत विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय में उन्होंने कहा कि स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकता है। विकसित भारत का संकल्प हम सब का संकल्प है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की नारी-शक्ति राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बने और विकसित भारत के हमारे संकल्प को नेतृत्व प्रदान करे, इसके लिए भारत सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के द्वारा लोक सभा और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रविधान उनके राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

सरकार की महिला केंद्रित योजाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये सभी प्रयास विभिन्न स्तरों पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर रहे हैं और उन्हें जीवन में नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हमारी बेटियां विकसित भारत के सपने को साकार करने में अपना पूरा योगदान दे सकें, इसके लिए जरूरी है कि समाज उन्हें आगे बढ़ने के लिए और भी अच्छा वातावरण प्रदान करे। उन्हें एक ऐसा वातावरण मिलना चाहिए, जिसमें वे बिना किसी दबाव या भय के अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय ले सकें।

भयमुक्त सामाजिक वातावरण का निर्माण करेगा- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आव्हान किया कि हमें एक ऐसे आदर्श समाज का निर्माण करना है, जहां कोई भी बेटी या बहन किसी भी समय, कहीं भी अकेले जाने में और कहीं भी रहने में डरे नहीं। महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव ही भयमुक्त सामाजिक वातावरण का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि यह भी एक कटु-सत्य है कि कुछ सामाजिक पूर्वाग्रह, रीति-रिवाज और प्रथाएं महिलाओं की प्रगति में बाधक रही हैं। इसमें महिला को कम करके आंकने वाली मानसिकता का दोष है।

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर- राष्ट्रपति संविधान सभा की सदस्य रहीं महिलाओं को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़नी चाहिए।

ब्रिटेन के स्कूलों में एआई से नकलची बन रहे छात्र, 77 फीसदी बच्चे कर रहे इस्तेमाल; क्यों चौंका रही ये रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। किसी भी डाटा को इकट्ठा करना हो, बड़ा टास्क हो या कोई सवाल का जवाब पाना हो, एआई उसमें बेहतरीन तरीके से मदद करता है।

अब एआई का इस्तेमाल स्कूलों में भी होने लगा है, इसका उदाहरण ब्रिटेन है। वहां के स्कूलों में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। हालांकि, स्कूलों में एआई के इस्तेमाल का नुकसान भी देखने को मिल सकते हैं, जिसको लेकर एक रिपोर्ट भी सामने आई है।

एआई पर ज्यादा निर्भरता छात्रों के बौद्धिक क्षमता और शैक्षिक योग्यता को नुकसान पहुंचा सकती है।

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि बच्चे धड़ल्ले से एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उनकी विचारक क्षमता पर भी असर पड़ सकता है।

नेशनल लिटरेसी ट्रस्ट ने ब्रिटेन के बच्चों और शिक्षकों पर सर्वे किया है, जिसके अनुसार प्रौद्योगिकी में हाल के विकास ने बच्चों के जीवन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव को तेज कर दिया है।

13 से 18 वर्ष के हर 4 में से तीन (77.1%) बच्चे जनरेटिव एआई का उपयोग कर रहे हैं, जो 2023 में 5 में से 2 (37.1%) था।

बच्चों को एआई से क्या फायदा-नुकसान- सर्वे के अनुसार, अधिकांश बच्चे एआई का इस्तेमाल नए विचारों को पाने के लिए करते हैं, जो काफी अच्छा भी है। वहीं, कुछ नया समझने या नई चीजें सीखने में भी इन्हें मदद मिली है। इसके अलावा, 5 में से 2 (39.6%) ने कहा कि इससे उन्हें लिखने में मदद मिली और 4 में से 1 (23.2%) ने महसूस किया कि इससे उन्हें पढ़ने में मदद मिली।

नकलची बन रहे बच्चे- 5 में से 1 छात्र यानी लगभग 21 फीसद बच्चों ने कहा कि वे आमतौर पर वही कॉपी करते हैं जो एआई से मिलता है।

अमेरिका में अपने कर्मचारियों का ही पॉलीग्राफी टेस्ट कराने लगे ट्रंप

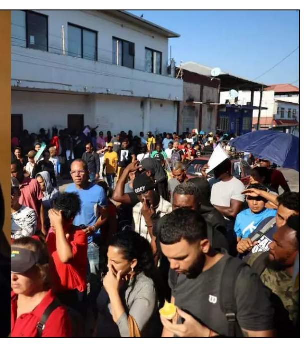

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद से एक के बाद एक ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं। अब डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अवैध अप्रवासियों पर की जा रही कड़ी कार्रवाई के बीच, उनका प्रशासन कथित तौर पर अपने कर्मियों का पॉलीग्राफ टेस्ट कर रहा है, ताकि उन जासूसों का पता लगाया जा सके, जिन्होंने प्रवासियों पर छापे के बारे में मीडिया को जानकारी लीक की हो।

सीबीएस न्यूज ने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) की सचिव क्रिस्टी नोएम के हवाले से बताया कि पॉलीग्राफ टेस्ट लगभग तीन हफ्ते से चल रहा है।

कितने कर्मचारियों का किया टेस्ट- यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि अब तक कितने कर्मचारियों का टेस्ट किया गया है, लेकिन शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में नोएम ने कहा कि डीएचएस ने सूचना लीक करने वाले दो लोगों की पहचान की है, जिन पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के जीवन को खतरे में डालने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा।

संघीय जेल में 10 साल की सजा का एलान- 18 फरवरी को नोएम ने पहली बार एलान किया था कि मीडिया लीक को रोकने के लिए डीएचएस कर्मचारियों की पॉलीग्राफिंग शुरू करेगा।

अवैध अप्रवासी पर ट्रंप की कार्रवाई- व्हाइट हाउस के आंकड़ों के अनुसार, प्रशासन की तरफ से हत्यारों, बलात्कारियों और ड्रग तस्करों सहित अपराधियों को निशाना बनाए जाने के कारण 50,000 से अधिक अवैध अप्रवासियों को हटाया गया है। प्रशासन ने कई एजेंसियों जिसमें अल्कोहल, तंबाकू और विस्फोटक ब्यूरो और ड्रग प्रवर्तन प्रशासन शामिल हैं से इस प्रयास को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए कर्मियों को उपलब्ध कराने के लिए कहा है।

ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की नीति को भी हटा दिया, जिसके तहत इमिग्रेशन एजेंटों को स्कूलों, पूजा स्थलों और अन्य संवेदनशील स्थानों के पास इमिग्रेशन गिरफ्तारियां करने से प्रतिबंधित किया गया था।

कैलिफोर्निया में तेज रफ्तार का कहर, शोरुम में घुसी बेकाबू कार; 8 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स में शनिवार को कार की टक्कर से आठ लोग घायल हो गए। लॉस एंजिल्स काउंटी फायर डिपार्टमेंट के प्रवक्ता जोनाथन टोरेस ने कहा कि इंगलवुड में कार डीलरशिप में हुए हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य छह को मामूली चोटें आई हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल- सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दुर्घटना के बाद की स्थिति दिख रही है। इसमें एक क्षतिग्रस्त एसयूवी को पीछे की ओर इमारत में घुसते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद एक कर्मचारी भागता हुआ बाहर निकलता है। कारमैक्स की ओर से कहा गा है कि संबंधित ड्राइवर एक ग्राहक था, जिसके वाहन की पहचान की गई है। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कंपनी ने कहा, हम इस भयानक घटना पर अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं।

अफवाह निकली शूटर वाली बात- एसोसिएटेड प्रेस ने शनिवार शाम को इंगलवुड पुलिस विभाग के लिए संदेश दिया है। शुरू में इस घटना को एक सक्रिय शूटर स्थिति के रूप में रिपोर्ट किया गया था, लेकिन टोरेस ने कहा कि यह सच नहीं निकला।

ऑस्ट्रेलिया में साइक्लोन अल्फ्रेड का तांडव, 3 लाख से ज्यादा घरों में अंधेरा; बाढ़ की चेतावनी जारी

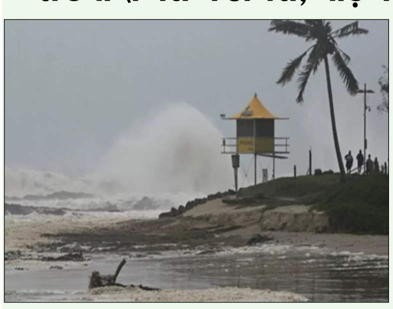

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में साइक्लोन अल्फ्रेड का तांडव जारी है। इसका असर ऑस्ट्रेलिया के कई राज्यों में देखा जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में कई लोगों के घर से बिजली चली गई, क्योंकि अल्फ्रेड नामक चक्रवात के कारण विनाशकारी हवाएं और भारी बारिश हुई,जिसके कारण बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी गई।

ऊर्जा वितरक एनर्जेक्स ने इसको लेकर एक बयान में कहा कि क्वींसलैंड के दक्षिण-पूर्व में करीब 316,540 लोगों के घर में तूफान के चलते अंधेरा छा गया है, जबकि गोल्ड कोस्ट शहर सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा, जहां तूफान के कारण 112,000 से ज्यादा लोग बिजली के बिना रह गए।

क्वींसलैंड तट पर पहुंचा चक्रवात- तूफान 16 दिनों तक चक्रवात के रूप में रहने के बाद शनिवार को क्वींसलैंड तट पर पहुंचा, जिसके कारण लाखों निवासियों ने तैयारियां शुरू कर दी।

राज्य की राजधानी ब्रिसबेन में भी तूफान आया, जिसका असर दक्षिणी पड़ोसी न्यू साउथ वेल्स में भी महसूस किया गया।

हिंदुओं वापस जाओ, कैलिफोर्निया के मंदिर में तोड़फोड़; दीवारों पर लिखे भारत विरोधी नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में ट्रंप सरकार आने के बाद भी हिंदू मंदिरों पर हमला नहीं थमा है। एक बार फिर मंदिर में तोड़फोड़ की बात सामने आई है। अब कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स स्थित एक BAPS हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है।

यह घटना लॉस एंजिल्स में तथाकथित खालिस्तानी जनमत संग्रह से कुछ दिन पहले हुई है।

हिंदू विरोधी संदेश लिखे गए- मंदिर में तोड़फोड़ तो हुई ही, बल्कि हिंदू विरोधी और भारत विरोधी संदेश भी लिखे गए। मंदिर की दीवारों पर हिंदू वापस जाओ और पीएम मोदी को लेकर नारे लिखे थे, जिससे स्थानीय हिंदू समुदाय चिंतित हो गया।

पहले भी हिंदू मंदिरों को बनाया गया निशाना- अमेरिका में बीते कई सालों से हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है। हिंदू मंदिरों में पिछले कुछ वर्षों में तोड़फोड़ और चोरी की गई है। इससे पहले जिन मंदिरों में हमला हुआ उनमें शामिल हैं...

3 अगस्त और 16 अगस्त 2022 को क्वींस न्यूयॉर्क में श्री तुलसी मंदिर

30 अक्टूबर 2023 को सैक्रामेंटो में हरि ओम राधा कृष्ण मंदिर

23 दिसंबर 2023: कैलिफोर्निया में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर

1 जनवरी 2024- सांता क्लारा, कैलिफ़ोर्निया में शिव दुर्गा मंदिर

5 जनवरी 2024- फ्रेमोंट कैलिफोर्निया में श्री अष्ट लक्ष्मी मंदिर

5 जनवरी 2024- हेवर्ड कैलिफोर्निया में विजय का शेरावाली मंदिर

11 जनवरी 2024- डबलिन, कैलिफोर्निया में श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर

17 सितंबर 2024- बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, मेलविले, न्यूयॉर्क

कराची में बड़ा हादसा, अफगान कैंप में घर की छत गिरने से 6 लोगों की मौत; चार घायल

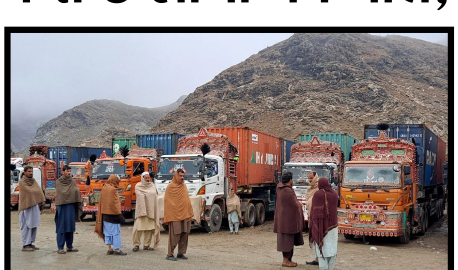

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कराची के बाहरी इलाके में एक अफगान शिविर में रविवार को एक घर की छत गिरने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई।

कैसे हुई घटना- एआरवाई न्यूज के अनुसार, यह घटना रविवार तड़के गुलशन-ए-मयमार इलाके में जंजाल गोथ अफगान कैंप में हुई। पुलिस के अनुसार, छत गिरने से चार लोग घायल हो गए हैं। प्रभावित परिवार खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू का रहने वाला था। अधिकारी फिलहाल घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

इस बीच शनिवार को पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान में रह रहे अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अफगान नागरिकों को 1 अप्रैल से निर्वासित किया जाएगा।

पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि पाकिस्तान देश से सभी अफगानों को निकालने की योजना बना रहा था, लेकिन पहली बार गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि की है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, गृह मंत्रालय ने एक आधिकारिक हैंडआउट में कहा, ÷अवैध विदेशियों के प्रत्यावर्तन कार्यक्रम (आईएफआरपी) को 1 नवंबर, 2023 से लागू किया जा चुका है।

अमेरिका में क्यों हो रही ड्रग्स से ज्यादा अंडों की तस्करी? कनाडा से खेप भेज रहे स्मगलर, हैरान कर देगी वजह

अमेरिका में इन दिनों महंगाई ने लोगों को परेशान कर दिया है। लोग महंगाई से इतने त्रस्त हैं कि अंडों की तस्करी करने पर भी उतारू हैं। द लॉजिक की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में कनाडा से फेंटानिल ड्रग्स से ज्यागा अंडों की तस्करी हो रही है।

बर्ड फ्लू की वजह से बढ़ी तस्करी- संयुक्त राज्य अमेरिका में कनाडा से हो रही अंडों की तस्करी आज के समय में सबसे महंगा अवैध यातायात बन गया है। इसके पीछे का कारण अमेरिका में फैले बर्ड फ्लू को बताया जा रहा है।

आयात और जब्ती के आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण के बाद रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी कस्टम ऑफिसर्स फेंटानिल ड्रग्स के मुकाबले अंडा समेत कई अन्य पोल्ट्री प्रोडक्ट जब्त कर रहे हैं। हालांकि, अमेरिका और कनाडा के बीच जारी टैरिफ वॉर के सेंटर में फेंटानिल ड्रग्स का जिक्र है।

तस्करी में आया 36 प्रतिशत का उछाल- पिछले साल अक्टूबर के महीने से लेकर अभी तक अमेरिका में अंडों की तस्करी करने वालों की संख्या में कथित तौर पर 36 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। दरअसल, बर्ड फ्लू की वजह से कीमतों में काफी उछाल देखने को मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2024 से अब तक अमेरिकी कस्टम्स अधिकारियों ने पक्षी और पोल्ट्री से संबंधित प्रोडक्ट्स की 3768 जब्ती की। इस दौरान पेंट्रनिल ड्रग्स की मात्रा सिर्फ 352 जब्तियां दर्ज की गई।

शादी के एक महीने बाद ही सैनिक पति की मौत, सेना में अधिकारी बन महिला ने पेश की मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शादी के केवल कुछ दिनों बाद अगर किसी महिला के पति की मौत हो जाए, तो उस महिला के लिए ये दुर्घटना किसी सदमे से कम नहीं होती है। जिस साथी के साथ किसी युवती ने साथ रहने की कसमें खाई हों और उसके साथ कोई अनहोनी हो जाए तो उस युवती के लिए बहुत बड़ी आपदा होती है।

हालांकि, इस विकट परिस्थिति में काफी कम लोग ऐसे होते हैं, जो अपने जीवन को फिर से शुरू कर पाते हैं। ऐसी ही एक मिसाल सामने आई है। इस महिला का नाम सोनी बिष्ट है, जो उत्तराखंड की रहने वाली हैं। इनकी कहानी अपने आप में किसी मिसाल से कम नहीं है।

शादी के एक महीने बाद पति की मौत

दरअसल, करीब दो साल पहले तक सोनी बिष्ट की जिंदगी भी सामान्य लड़कियों तक थीं। उन्होंने सामान्य तरीके से पढ़ाई-लिखाई की। इसके बाद साल 2023 में उनकी शादी हुई। सोनी के पति नीरज भंडारी 18 कुमाऊं रेजीमेंट में सैनिक थे। हालांकि, होनी को कुछ और ही मंजूर था। शादी के महज 34 दिनों बाद ही नीरज की एक हादसे में जान चली गई। शादी के केवल 34 दिनों बाद ही सोनी बिष्ट विधवा हो गई।

पति के मौत के बाद सोनी का हौसला टूटने लगा। परिवार भी सदमे में था। हालांकि, विपरीत परिस्थितियों के बाद भी उन्होंने वह कर दिखाया, जो अब कई लोगों के लिए किसी मिसाल से कम नहीं है। पति की मौत के बाद सोनी बिष्ट ने अपने पति के सपने को पूरा किया। सोनी को कुमाऊं रेजिमेंट के 'वीर नारी एंट्री के बारे में जानकारी मिली।

पिता से मिला हौसला- इसके बाद सोनी का उनके पिता ब्रिगेड ऑफ गार्ड्स बटालियन के सेवानिवृत्त सूबेदार कुंदन सिंह ने हौसला बढ़ाया। सेना के सहयोग और पिता के हौसले के कारण सोनी आज सेना में अधिकारी बन गई है।

गंगाजल क्यों पी लूं, देश की कोई नदी साफ नहीं, महाकुंभ को लेकर क्या बोल गए राज ठाकरे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को गंगा नदी की स्वच्छता पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि देश की कोई भी नदी साफ नहीं है।

ठाकरे अपने पार्टी के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। MNS के प्रमुख ने कहा कि उनके पार्टी नेता, बाला नंदगांवकर ने महाकुम्भ से पवित्र जल लाया था, लेकिन उन्होंने इसे पीने से मना कर दिया। एमएनएस चीफ ने कहा, बाला नांदगांवकर कह रहे थे- ये गंगाजल पी लो। मैंने कहा मैं नहाने वाला नहीं हूं। और गंगाजल क्यों पीना चाहिए? वह पानी कौन पीएगा᎗अभी अभी कोविड गया है। दो साल मुंह पर मास्क लगाकर घूम रहे थे। अब वहां जाकर स्नान कर रहे है। कौन उस गंगा में जाकर कूदेगा? श्रद्धा का भी कुछ अर्थ होना चाहिए।

राजीव गांधी के वक्त से सुन रहा गंगा होगी साफ- राज ठाकरे ने कहा, मैंने सोशल मीडिया पर गंगा नदी की स्थिति के बारे में कई वीडियो देखे हैं। मैंने कुछ लोगों को नदी में अपने शरीर को खरोंचते और धोते हुए देखा। उन्होंने दावा किया कि भारत की कोई भी नदी साफ नहीं है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: पूर्व आबकारी अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, मगर नहीं होंगे रिहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव अरुण पति त्रिपाठी को कथित छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में जमानत दे दी है। हालांकि, कोर्ट ने निर्देश दिया कि उन्हें 10 अप्रैल, 2025 को रिहा किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चल रही जांच प्रभावित नहीं हो।

11 महीने से हिरासत में हैं त्रिपाठी- जस्टिस अभय ओक और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने कहा कि त्रिपाठी 11 महीने से हिरासत में हैं और उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में मुकदमा शुरू होने की कोई संभावना नहीं। कोर्ट ने राज्य के इस तर्क पर विचार किया कि जांच अभी भी जारी है और इसलिए उनकी रिहाई के लिए 10 अप्रैल तक का समय दिया।

कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता जमानत पर रिहा होने का हकदार है। हालांकि, यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच किसी भी तरह से प्रभावित न हो, हम निर्देश देते हैं कि अपीलकर्ता को संबंधित सत्र न्यायालय द्वारा निर्धारित उचित नियमों और शर्तों के अधीन 10 अप्रैल, 2025 को जमानत पर रिहा किया जाएगा।

त्रिपाठी को 12 अप्रैल, 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार किया था। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इससे पहले 30 सितंबर, 2024 को राज्य में शराब व्यापार से संबंधित एक बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में उनकी संलिप्तता का हवाला देते हुए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

साल की पहली लोक अदालत में निपटाए गए डेढ़ करोड़ से अधिक मामले, खिल उठे लोगों के चेहरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल की पहली लोक अदालत में शनिवार को डेढ़ करोड़ मामले निपटाए गए। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) ने शनिवार को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के तालुकों, जिलों और विभिन्न हाई कोर्ट में 2025 की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

शाम छह बजे तक 1.57 करोड़ से अधिक मामलों का निपटारा

साल के इस पहले लोक अदालत में निस्तारित किए गए मामलों में यातायात चालान, बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना दावे, चेक मामले, श्रम विवाद, वैवाहिक विवाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण मामले शामिल थे। शाम छह बजे तक 1.57 करोड़ से अधिक मामलों का निपटारा किया जा चुका है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि न्यायपालिका के कार्यभार को कम करने तथा त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में वैकल्पिक विवाद समाधान की दक्षता को उजागर करती है। यह पहल नालसा के संरक्षक प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और कार्यकारी अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस आरएस गवई द्वारा संचालित वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के माध्यम से न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देती है।

महाराष्ट्र में लोक अदालत 22 मार्च को निर्धारित - महाराष्ट्र, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में लोक अदालत 22 मार्च को निर्धारित है। राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) का गठन कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करने और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालतों का आयोजन करने के लिए किया गया है।

मैं निर्दोष हूं, मुझे फंसाया गया, अपने ही बयान से पलटी एक्ट्रेस रान्या राव; सोना तस्करी केस में और क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना तस्करी मामले में फंसी कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने आज पुलिस की पूछताछ के दौरान अपना बयान दिया है। रान्या राव ने सोने की तस्करी के रैकेट का हिस्सा होने से इनकार किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें फंसाया गया है।

मुझे नींद नहीं आ रही है: रान्या- रान्या ने अपने वकीलों से कहा था कि उन्हें नींद नहीं आ रही है और वे सोचती रहती हैं कि %मैं इसमें क्यों फंस गई%। शुक्रवार को अदालत में पेश किए जाने के दौरान उन्होंने अपने वकीलों से कहा, ÷मैं सोचती रहती हूं कि मैं इसमें क्यों फंस गई। मेरा दिमाग हवाई अड्डे पर बिताए दिन की यादों में खो जाता है। मैं सो नहीं पाती। मैं मानसिक रूप से परेशान हूं।

बयान से पलटी अभिनेत्री- रान्या ने खुद को निर्दोष बताया है और यह दावा अभिनेत्री के डीआरआई को दिए गए आधिकारिक बयान के विपरीत है, जिसमें उन्होंने 17 सोने की छड़ों के साथ पकड़े जाने की बात स्वीकार की थी। बयान में यह भी कहा गया था कि वे न केवल दुबई बल्कि यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व भी गई थीं।

अधिकारी लगा रहे इस बात का पता- अधिकारी चाहते हैं कि राव यह बताएं कि अगर ऐसा हुआ है तो उन्हें किसने तस्करी में फंसाया और वे कौन सी परिस्थितियां थीं, जिनके कारण वे इसमें शामिल हुईं। यह मामला पिछले साल चेन्नई में हुई एक घटना से मिलता-जुलता लग रहा है, जहां केरल के एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी की पत्नी को दुबई से 12 किलो सोना तस्करी करते हुए पकड़ा गया था।

बाद में जांच में पता चला कि सोने की तस्करी में शामिल एक दोस्त ने उसे ब्लैकमेल किया था। अधिकारियों का मानना है कि रान्या राव के किसी करीबी ने उसे इस काम में धकेला होगा।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर अमेरिकी नीति से प्रभावित नहीं होगा भारत, दुनिया के रुख पर केंद्र सरकार की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी के वैश्विक उद्यमियों से मुलाकात की और अपनी बात दोहराई कि वह अमेरिका को क्रिप्टो दुनिया का सरताज देश बनाएंगे। क्रिप्टोकरेंसी में अमेरिका ने अपनी विदेशी मुद्रा रिजर्व भी बनाने की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। इससे भारत में भी क्रिप्टोकरेंसी करने वाले उद्यमी काफी उत्साहित हैं। लेकिन आरबीआई का विचार क्रिप्टो को लेकर बिल्कुल भी नहीं बदला है।

भारत का केंद्रीय बैंक अभी भी मानता है कि वित्त मंत्रालय भी क्रिप्टोकरेंसी को वैधानिक मान्यता देने के लेकर कोई कदम जल्दबाजी में उठाने नहीं जा रही है। इस बारे में कोई भी कदम आरबीआई की तरफ से गठित कार्यसमूह की रिपोर्ट का विस्तार से आकलन के बाद ही किया जाएगा। इस कार्य समूह की रिपोर्ट जल्द ही आने की संभावना है।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकार चिंतित- क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकार की नीतियों की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार की या आरबीआइ की इस करेंसी को लेकर जो चिंताएं हैं वह तथावत हैं। जिस आधार पर हम क्रिप्टोकरेंसी को भारत में लागू करने का विरोध कर रहे हैं उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। हमारा विरोध है कि क्रिप्टोकरेंसी किसी तरह की करेंसी हैं ही हीं क्योंकि इसको जारी करने वाला कोई नहीं होता और ना ही इसका उत्तरदायित्व लेने वाला कोई होता है। इसलिए इसे ना तो करेंसी माना जा सकता या ना ही वित्तीय परिसंपत्तियां।

क्रिप्टोकरेंसी पूरी इकोनमी को चला सकती है- शेयर, बांड्स, केंद्रीय बैंकों की तरफ से जारी होने वाले नोट को वित्तीय परिसंपत्तियां या करेंसी इसलिए माना जाता है कि, इसका उत्तरदायित्व किसी न किसी के पास होता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

संपादकीय

दुनियाँ के हर देश में अलग- अलग भाषाएं होती है....

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश में अलग- अलग भाषाएं होती है, विशेष रूप से भारत तो भाषाओं लिपियों शब्दों का गहरा समुद्र है,जहां अनेकों ऐसे शब्द हैं जिनका मतलब उनकी परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है या अनेक होते होते है, परंतु इसका मतलब परिस्थितियों की स्थिति के अनुसार निकालना पड़ता है या फिर अनेक शब्द ऐसे होते हैं जिनका अगर एक अक्षर भी बदल जाए तो उसका मतलब ही बदल जाता हैजबकि दो शब्द ऐसे है जैसे आमंत्रण-निमंत्रण व आरंभ-प्रारंभ कई लोग इसका अर्थ एक ही समझते हैं परंतु यह दोनों शब्दों की जोड़ी के प्रत्येक शब्द का उपयोग उस परिस्थितिजन्य स्थिति में किया जाता है। अगर मैं इन सामान शब्दों या एक शब्द को एक वकील या सीए की नजर से देखूं तो एक शब्द के अनेक माईना निकालकर अपने अरगुमेंट को बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकता हूं, परंतु इन शब्दों की व्याख्या के लिए भी हमारी वकालत में इंटरप्रिटेशन एक्ट बना हुआ है जो, जज साहब द्वारा जजमेंट देते समय उन शब्दों की व्याख्या उसके अनुसार ही की जाती है, इसलिए वह एक शब्द ही है जो इंसान की जिंदगी बिगाड़ सकता है तो उसकी व्याख्या जिंदगी संवार भी सकता है।

दूसरे शब्दों में इसी शब्द की एक लीगल व्याख्या में सजा भी हो सकती है तो दूसरी ओर इसी शब्द की दूसरी व्याख्या में एक्विट्टल यानी छूट भी मिल सकती है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि आज मैंने फेसबुक में एक मेल फीमेल के बीच आमंत्रण-निमंत्रण व आरंभ-प्रारंभ शब्दों के मतलब को लेकर एक चर्चा, यू कहें की डिबेट चल रही थी जो आपने- अपने ढंग से इसकी व्याख्या कर रहे थे,फिर मैंनें इस विषय को आर्टिकल लिखने के लिए चुनकर रिसर्च शुरू किया, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बौद्धिक व्यवहार के मूल्यांकन का एक स्तंभ शब्दों की गहराई में जाकर संबंधित स्थिति के अनुसार शब्द का प्रयोग करना ही गुणी व्यक्तित्व की पहचान है।

साथियों बात अगर हम आमंत्रण व निमंत्रण के मतलब को समझने की करें तो, दोनों ही किसी को बुलाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं,लेकिन इनमें अंतर होता हैआमंत्रण अनौपचारिक होता है, जबकि निमंत्रण औपचारिक होता है।आमंत्रण में जाने की बाध्यता नहीं होती, जबकि निमंत्रण में जाने की बाध्यता होती है। आमंत्रण और निमंत्रण में अंतर- (1) आमंत्रण में किसी विषय विशेष पर विशेष व्यक्ति को बुलाया जाता है वहीं, निमंत्रण किसी अवसर विशेष पर विशेष व्यक्तियों को बुलाया जाता है।(2) आमंत्रण में लक्ष्य निर्धारित होता है और लक्ष्य प्राप्त होने पर आमंत्रण खत्म हो जाता है वहीं, निमंत्रण में लक्ष्य के साथ लोकाचार भी होता है। (3) आमंत्रण में हर व्यक्ति के पास एक लक्ष्य होता है, वह या तो वक्ता होता है या फिर श्रोता।(4) आमंत्रण से व्यक्ति की प्रतिष्ठा जुड़ती है। (5) आमंत्रण का मतलब होता है- आवाज देना या बुलाना। (6) निमंत्रण एक ऐसा बुलावा है जिसमें जाने की बाध्यता होती है। (7) निमंत्रण पर आपके न जाने पर सामने वाले स्वजन को बुरा भी लग सकता है। (8) आमंत्रण और निमंत्रण दोनों को अंग्रेज़ी में इनविटेशन कहते हैं। निमंत्रण में समय निर्धारित होता है और अतिथि से उसी समय में अनिवार्य तौर पर आने की अपेक्षा की जाती है जबकि आमंत्रण में अनिवार्यता नहीं होती है।निमंत्रण, आमंत्रण से अलग कैसे है (1) निमंत्रण में सिर्फ शारीरिक उपस्थिति उपयोगी है।(2) निमंत्रण में एक आयोजन होता है परंतु प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य निर्धारित नहीं होता। (3) निमंत्रण में आयोजन पूर्ण होने पर भोजन आदि के साथ उत्सव मनाया जाता है। (4) निमंत्रण सामाजिक मेल मिलाप के लिए होता है।

सावित्रीबाई फुले

सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रधानाचार्या और पहले किसान स्कूल की संस्थापिका थीं। महात्मा ज्योतिबा को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए, सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया। जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछात मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवयित्री भी थीं। उन्हें मराठी की आदिकवयित्री के रूप में भी जाना जाता था।

जन्म और परिवार- सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 को हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। सावित्रीबाई फुले का विवाह 1840 में ज्योतिबा फुले से हुआ था।

विद्यालय की स्थापना- 1848 में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ उन्होंने एक विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई और महात्मा फुले पाँच नये विद्यालय खोलने में सफल हुए। तत्कालीन सरकार ने इन्हे सम्मानित भी किया। एक महिला प्रिंसिपल के लिये सन् 1848 में बालिका विद्यालय चलाना कितना मुश्किल रहा होगा, इसकी कल्पना शायद आज भी नहीं की जा सकती। लड़कियों की शिक्षा पर उस समय सामाजिक पाबंदी थी। सावित्रीबाई फुले उस दौर में न सिर्फ खुद पढ़ीं, बल्कि दूसरी लड़कियों के पढ़ने का भी बंदोबस्त किया, वह भी पुणे जैसे शहर में।

सामाजिक मुश्किलें- वे स्कूल जाती थीं, तो लोग पत्थर मारते थे। उन पर गंदगी फेंक देते थे। आज से 160 साल पहले बालिकाओं के लिये जब स्कूल खोलना पाप का काम माना जाता था कितनी सामाजिक मुश्किलों से खोला गया होगा देश में एक अकेला बालिका विद्यालय।

महानायिका - सावित्रीबाई पूरे देश की महानायिका हैं। हर बिरादरी और धर्म के लिये उन्होंने काम किया। जब सावित्रीबाई कन्याओं को पढ़ाने के लिए जाती थीं तो रास्ते में लोग उन पर गंदगी, कीचड़, गोबर, विष्ठा तक फैंका करते थे। सावित्रीबाई एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुँच कर गंदी कर दी गई साड़ी बदल लेती थीं। अपने पथ पर चलते रहने की प्रेरणा बहुत अच्छे से देती हैं।

सावित्रीबाई ने 19वीं सदी में छुआ-छूत, सतीप्रथा, बाल-विवाह और विधवा विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध अपने पति के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने आत्महत्या करने जाती हुई एक विधवा ब्राह्मण महिला काशीबाई की अपने घर में डिलीवरी करवा कर उसके बच्चे यशंवत को अपने दत्तक पुत्र के रूप में गोद लिया। दत्तक पुत्र यशवंत राव को पाल-पोसकर उन्होंने उसे डॉक्टर बनाया।

सत्यशोधक समाज की स्थापना- सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले ने 24 सितंबर, 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की। उन्होंने विधवा विवाह की परंपरा भी शुरू की और इस संस्था के द्वारा पहला विधवा पुनर्विवाह 25 दिसम्बर, 1873 को कराया गया। 28 नवंबर, 1890 को बीमारी के चलते ज्योतिबा की मृत्यु हो गई थी। ज्योतिबा के निधन के बाद सत्यशोधक समाज की जिम्मेदारी सावित्रीबाई फुले पर आ गई। उन्होंने जिम्मेदारी से इसका संचालन किया।

आधुनिक मराठी काव्य की अग्रदूत- सावित्रीबाई एक निपुण कवियित्री भी थीं। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य की अग्रदूत भी माना जाता है। वे अपनी कविताओं और लेखों में हमेशा सामाजिक चेतना की बात करती थीं। सावित्रीबाई फुले देश की पहली महिला शिक्षिका होने के साथ-साथ अपना पूरा जीवन समाज के वंचित तबके खासकर स्त्री और दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष में देने के लिए हमेशा याद की जाएंगी।

निधन - 10 मार्च, 1897 को प्लेग के कारण सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया। प्लेग महामारी में सावित्रीबाई प्लेग के मरीज़ों की सेवा करती थीं। एक प्लेग के छूत से प्रभावित बच्चे की सेवा करने के कारण इनको भी छूत लग गयी।

दाल के बढ़ते रकबे से जगी है आत्मनिर्भरता की उम्मीद...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में दालों के मामले में आत्मनिर्भर होने का लक्ष्य रखा है, जो उत्पादन एवं खपत का अनुपात देखकर संभव नहीं लग रहा। फिर भी सरकार का संकल्प एवं दाल की खेती की ओर किसानों के बढ़ते रुझान ने उम्मीद जगाई है। आयात को शून्य करने के लिए केंद्र ने छह वर्ष के अभियान की शुरुआत की है।

बजट में एक हजार करोड़ रुपये का प्रबंध किया है, जिससे तुअर, उड़द एवं मसूर की उपज बढ़ाने के लिए खरीद एवं भंडारण की व्यवस्था करनी है। लक्ष्य 2029 तक आयात पर निर्भरता खत्म करने का है। मुश्किल है, लेकिन प्रयास जारी है।

चना और मूंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त हो चुकी है- सरकार का दावा है कि चना और मूंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त हो चुकी है। तुअर, उड़द और मसूर का उत्पादन बढ़ाने पर काम करना है। इसके लिए किसानों को प्रोत्साहित कर संसाधन देना होगा। प्रथम प्रयास में अरहर, उड़द एवं मसूर की सारी उपज खरीदने का फैसला लिया गया है। पहले कुल पैदावार का सिर्फ 40 प्रतिशत ही बेचा जा सकता था।

बाजार में दालों की आपूर्ति बढ़ेगी- नए नियम से किसानों को फायदा होगा और बाजार में दालों की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्नत एवं हाईब्रिड बीज की उपलब्धता भी सहज करनी होगी। आयात नीति को भी अनुकूल बनाना होगा। कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट है कि एक दशक में दालहन का उत्पादन 60 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सरकारी खरीद में भी 18 गुना वृद्धि हुई है। 2014 में 171 लाख टन से बढ़कर 2024 में 270 लाख टन उत्पादन हो गया। एक वर्ष में रकबा भी 2.7 प्रतिशत बढ़ा।

घरेलू खपत की लगभग 25 प्रतिशत के लिए आयात पर ही निर्भरता- विपरीत मौसम के बावजूद अब की ढाई प्रतिशत ज्यादा उत्पादन की उम्मीद है। 1951 में भारत में दलहन का रकबा 190 लाख हेक्टेयर ही था, जो अब बढ़कर 310 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उत्पादन भी बढ़ा है, मगर सच है कि घरेलू खपत की लगभग 25 प्रतिशत के लिए आयात पर ही निर्भरता है। स्पष्ट है कि रकबा के साथ-साथ उत्पादकता बढ़ाना भी जरूरी है।

विजय केडिया ने खरीदे हैं इस कंपनी के 58 लाख शेयर, लगातार चर्चा में शेयर, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के मल्टीबैगर स्टॉक अतुल ऑटो इस साल लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 3% से अधिक चढ़कर 467 रुपये पर पहुंच गए थे। इस साल अब तक इसमें 20% तक की गिरावट देखी गई। सालभर में 15% और छह महीने में 30% तक की गिरावट देखी गई। बता दें कि यह शेयर अपने 52 वीक हाई प्राइस 840 रुपये से करीब आधे पर ट्रेड कर रहा है। पिछले साल 4 जुलाई को कंपनी के शेयर 52 वीक के हाई पर पहुंचे थे। वर्तमान में यह शेयर 45% तक लुढ़क गए हैं।

बता दें कि स्टार इन्वेस्टर विजय केडिया का कंपनी में बड़ा दांव है। विजय केडिया के पास कंपनी के 58 लाख शेयर हैं। बीएसई पर दी गई जानकारी के मुताबिक, विजय केडिया के नाम से कंपनी के 50,50,505 शेयर हैं। यह 18.20 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। वहीं, केडिया सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड के पास कंपनी के 7,51,512 शेयर हैं। यह 2.71 फीसदी के बराबर है। यानी कुल मिलाकर दिग्गज निवेशक के पास अतुल ऑटो के 5,802,017 शेयर हैं। अतुल ऑटो को दिसंबर तिमाही में शुद्ध बिक्री 175.09 करोड़ रुपये होगी, जो दिसंबर 2023 में 145.72 करोड़ रुपये से 20.16% अधिक है। दिसंबर 2024 में तिमाही में नेट मुनाफा 10.00 करोड़ रुपये हुआ, जो दिसंबर 2023 में 6.77 करोड़ रुपये से 47.71% अधिक है।

9 साल से बंद पड़ा है यह शेयर, 9 का भाव, अब कंपनी को लेकर आई बड़ी जानकारी

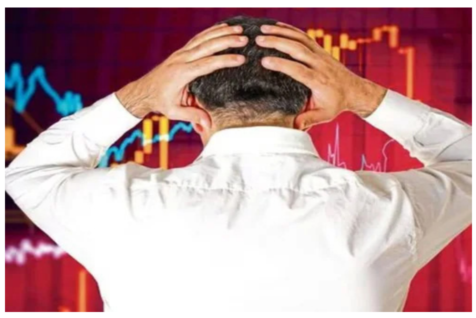

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने देश की सबसे पुरानी चाय कंपनी डंकन इंडस्ट्रीज की समाधान योजना को मंजूरी देने वाले एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ याचिकाओं खारिज कर दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने यह भी स्पष्ट किया कि डंकन इंडस्ट्रीज की समाधान योजना को मंजूरी देते समय, एनसीएलटी ने चाय बागानों के पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि कंपनी के शेयर कई सालों से बंद पड़े हैं, इसमें ट्रेडिंग नहीं हो रही है। डंकन इंडस्ट्रीज के शेयर अंतिम बार 12 दिसंबर 2016 में ट्रेड किए थे, तब इसका बंद प्राइस 9.10 रुपये था। इसके बाद से इसकी ट्रेडिंग सस्पेंड है।

क्या है डिटेल- एनसीएलटी की कोलकाता पीठ ने 18 अक्टूबर, 2024 को यूनिग्लोबल पेपर्स द्वारा दायर समाधान योजना को मंजूरी दी थी। इसे मेरिको एग्रो इंडस्ट्रीज और नागरी फार्म टी कंपनी ने अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी थी। समाधान योजना को मंजूरी देते समय, एनसीएलटी ने अपने आदेश में सफल बोलीदाता यूनिग्लोबल पेपर्स को पट्टों के नवीनीकरण के लिए आवेदन करने और यदि मंजूरी मिलती है तो कब्जा लेने के लिए कहा था।

आदेश के इस भाग को मेरिको एग्रो इंडस्ट्रीज, सम्मेलन टी एंड बेवरेजेज और नागरी फार्म टी कंपनी ने अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के समक्ष अपील दायर करके चुनौती दी थी। एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया, लेकिन स्पष्ट किया कि पट्टों के नवीनीकरण का सवाल पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। एनसीएलएटी पीठ ने कहा कि एनसीएलटी के आदेश को पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में किसी राय के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

शेयर बाजार में मार्च के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 24,753 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक लगातार पैसे निकाल रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, मार्च के पहले सप्ताह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा शुद्ध बिक्री 24,753 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

बाजार स्थिरता के बारे में बढ़ी चिंता- 2025 में कुल शुद्ध निकासी 1, 37, 354 करोड़ रुपये हो गई है। लगातार बिक्री के दबाव ने बाजार स्थिरता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी है। साथ ही विदेशी निवेशक भारत के आर्थिक और कॉर्पोरेट प्रदर्शन के बारे में सतर्क हैं। लगातार हो रही बिक्री के कारणों के बारे में बात करें तो, भारतीय कंपनियों से कमजोर आय, उम्मीद से धीमी जीडीपी वृद्धि और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में तेज वृद्धि शामिल है। मूल्यांकन संबंधी चिंताओं ने भी एफपीआई पलायन में योगदान दिया है।

जनवरी और फरवरी में कैसा रहा हाल- पिछले महीने फरवरी की बात करें तो, विदेशी निवेशकों ने 34, 574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थें। जनवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 78.027 करोड़ रुपये निकाले हैं। 2024 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाह में भारी गिरावट दर्ज किया गया था।

1 शेयर पर 5 शेयर बोनस दे चुकी है कंपनी, निवेशकों में दांव लगाने की होड़, 3 दिन से अपर सर्किट पर स्टॉक

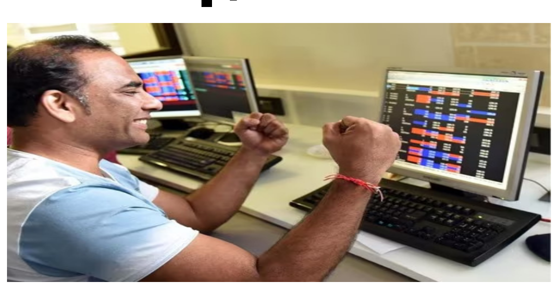

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ सालों के दौरान जिन कंपनियों ने शेयर बाजारों में शानदार प्रदर्शन किया है उसमें शक्ति पम्प एक है। कंपनी के शेयरों में बीते 3 कारोबारी दिन से अपर सर्किट लग रहा है। बता दें, इस महीने शक्ति पम्प को एक प्रोजेक्ट मिला है।

शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा था। अपर सर्किट लगने के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 917.80 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों 5 मार्च, 6 मार्च और फिर 7 मार्च को अपर सर्किट लगा था।

बीते साल नवंबर के महीने में शक्ति पम्प के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 5 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। बीते साल सितंबर के महीने में कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने योग्य निवेशकों हर शेयर पर 4 रुपये का डिविडेंड दिया था।

इस स्टॉक का प्रदर्शन बीते एक हफ्ते में अच्छा रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 13 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में उठा-पटक के बाद भी शक्ति पम्प अपने पोजीशनल निवेशकों को 25 प्रतिशत के अधिक का रिटर्न दिया है। बता दें, पिछले एक साल में मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में 300 प्रतिशत से अधिक की बढ़त बनाने में सफल रहा है।

एक मार्च को कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया था कि महाराष्ट्र एनर्जी डिपार्टमेंट एजेंसी की तरफ से फोटोवोल्टिक वाटर पम्पिंग सिस्टम का काम मिला है। इस वर्क प्रोजेक्ट की कीमत 23.91 करोड़ रुपये की है। कंपनी का पीएम कुशुम स्कीम के तहत यह काम मिला है।

8400% से अधिक का रिटर्न, 1 हफ्ते 21% चढ़ा भाव, मुकुल अग्रवाल के पास मल्टीबैगर स्टॉक के 1.60 लाख शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 5 साल के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों का भाव 8400 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल ने भी पैसा लगाया है।

1 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी- मुकुल अग्रवाल के पास 1,60,000 शेयर हैं। उनकी कंपनी में कुल हिस्सेदारी 1.07 प्रतिशत की है। बता दें, यह बीएसई 500 इंडेक्स में शामिल है। कंपनी में मोतीलाल ओसवाल और मिडकैप फंड ने दांव लगाया है।

1 हफ्ते में कंपनी का शेयर 21 प्रतिशत चढ़ा

शुक्रवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों का भाव 2.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 12249.05 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते एक हफ्ते के दौरान इस मल्टीबैगर स्टॉक ने 21 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

इस तेजी के बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस साल 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कुरई घाटी के पास चलते ट्रक में अचानक लगी आग

सिवनी। नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर कुरई घाटी के पास चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। इससे पहले ट्रक के ड्राइवर और हेल्पर कुछ समझ पाते आग तेजी से फैल गई। किसी तरह ड्राइवर और हेल्पर ने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा किया और उससे कूदकर अपनी जान बचाई।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी के पहुंचने से पहले ट्रक लगभग पूरी तरह जलकर खाक हो गया। यह हादसा जिले जिले कुरई थाना अंतर्गत कुरई घाटी के पास शनिवार देर रात हुआ। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।कुरई पुलिस ने बताया कि नागपुर की ओर से एक ट्रक सिवनी की ओर आ रहा था। जब वह कुरई घाटी के समीप पहुंचा तो अचानक अज्ञात कारणों से ट्रक में आग लग गई। आग के तेजी से फैलने के कारण ट्रक जलने लगा।

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद कुरई पुलिस पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग के सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। जिस समय ट्रक में आग लगी उसी समय नागपुर से सिवनी लौट रहे धरेंन्द्र रघुवंशी ने बताया कि सड़क पर चल रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई, जिसके कारण वह जलने लगा।

कुरई थाना प्रभारी केएस तेकाम ने बताया कि ट्रक में किराना का सामान भरा हुआ था। ट्रक के चालक ने पूछताछ में बताया कि वह किराना का सामान नागपुर से मंडला ले जा रहे थे। कुरई घाटी के पास अज्ञात कारण से ट्रक में आग लग गई।

उन्होंने ट्रक से कूद कर जान बचाने के साथ ट्रक में रखे पानी व अन्य सामग्री से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग और तेजी से फैल गई। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक में आग लगने की सूचना पर सिवनी कंट्रोल रूम में जानकारी दी गई। इस पर सिवनी से लगभग 40 मिनिट बाद फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचा। तब तक ट्रक काफी जल चुका था।

घटना की जानकारी के बाद पुलिसकर्मी और राष्ट्रीय राज्यमार्ग के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सड़क पर जल रहे ट्रक को देखकर वाहनों को रोक दिया, ताकि कोई अनहोनी घटना ना हो। इससे लगभग एक घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों के पहिए थम गए और यहा लंबा जाम लग गया। कुरई थाना प्रभारी ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने के बाद ट्रक में लगी आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के बाद यातायात व्यवस्था बहाल की गई।

कांग्रेस सोमवार को करेगी विधानसभा का घेराव, BJP पर लगाया किसानों से वादाखिलाफी का आरोप

भोपाल। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बने एक वर्ष से अधिक समय हो गया, लेकिन चुनाव के समय जो वादे किए थे, अब तक पूरे नहीं हुए हैं। न तो उपज का उचित मूल्य मिला और न ही समय पर खाद-बीज।

सरकार की नीतियों के कारण सोयाबीन राज्य का तमगा भी छिन गया और बासमती उत्पादक किसान औने-पौने दाम में उपज बेचने के लिए मजूबर हो रहे हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस सोमवार को भोपाल के रंगमहल चौराहे पर प्रदर्शन करेगी। वहां से विधानसभा घेराव के लिए कार्यकर्ता निकलेंगे।

सरकार को याद दिलाएंगे उनका वादा

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रविवार को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के संगठन प्रभारी अखिलेश शुक्ला, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, सुखदेव पांसे, प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान और विधायक दिनेश गुर्जर ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में बताया कि भाजपा सरकार को उसके वादे याद दिलाने के लिए विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

प्रदेश में स्थिति यह हो गई है कि कुछ लोगों के घरों से क्विंटलों सोना-चांदी निकल रहा है और किसान खाद एवं बीज तक को तरस रहा है। खरीफ 2024 में खाद की किल्लत के कारण किसान समय पर बोवनी नहीं कर सके और फसल उत्पादन प्रभावित हुआ। किसानों को उपज के दाम भी नहीं मिला और न ही मुआवजा।

किसानों से भाजपा ने घोषणा पत्र में वादा किया था कि गेहूं के 2,700 और धान के 3,100 रुपये देंगे, लेकिन इसे अब तक नहीं निभाया। समर्थन मूल्य पर दाना-दाना खरीदने का वादा किया जाता है, लेकिन गुणवत्ता को आधार बनाकर नमूने फेल कर दिए जाते हैं।

सोयाबीन उत्पादन में सिरमौर रहे मध्य प्रदेश में न उन्नत किस्म का बीज किसानों को मिला न ही समर्थन मूल्य मिला। बासमती धान 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से व्यापारी खरीद रहे हैं, इससे धान का लागत मूल्य तक नहीं निकल रहा है। किसानों से पांच हजार रुपये क्विंटल की दर से सरकार बासमती धान खरीदे।

किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजा भी ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर मिल रहा है। पार्टी की मांग है कि पटवारी हल्के के स्थान पर खेत को इकाई मानकर फसल बीमा किया जाए। अग्नि के कारण हुई क्षति को भी प्राकृतिक आपदा मानकर फसल बीमा में शामिल किया जाए।

भूमि अधिग्रहण कानून का पूर्णता पालन ना करके सरकार किसानों की भूमि दोगुना मुआवजा देकर अधिग्रहित कर रही है, जबकि कानून चार गुना मुआवजे का है।

किसान न्याय योद्धा अभियान शुरू

पार्टी ने प्रदेश में किसान न्याय योद्धा अभियान की शुरुआत की। पार्टी नेता राहुल गांधी की भावना के अनुसार किसानों के हक की लड़ाई लड़ने गांव- गांव में योद्धा बनाए जाएंगे। हर जिले में 1000 किसान न्याय योद्धा बनने पर किसान न्याय यात्रा निकली जाएगी। इस अभियान को मजबूती देने प्रदेश में समिति बनाई गई है। इसके संयोजक राहुल राज, राम मनोहर बरुआ और कुलदीप पटेल होंगे।

चार बच्चियां बरगी नहर में डूबी

कटनी। कटनी जिले के उमरियापान थाना क्षेत्र अंतर्गत परसवारा गांव के पास से गुजरी बरगी नर्मदा दाईं तट नहर में रविवार की सुबह नहाने गई चार बच्चियां गहरे पानी में जाने से डूब गई। जिसमें से एक को ग्रामीण ने बचा लिया।

दो के शव निकाले जा चुके हैं। वहीं चौथी बच्ची की तलाश जारी है। मौके पर उमरिया पान थाना प्रभारी दिनेश तिवारी बल सहित मौजूद हैं और ग्रामीणों की मदद से नहर में लापता बालिका की तलाश की जा रही है।रविवार सुबह नहाने गई थी

जानकारी के अनुसार परसवारा गांव निवासी सिद्धि पटेल पिता कौशल पटेल, 12 साल, अंशिका पटेल पिता अज्जू पटेल 14 साल, सिद्धि की छोटी बहन मानवीय पटेल उम्र आठ साल और गांव की ही एक अन्य बच्ची गांव के पास से गुजरी नर्मदा दाई तट नहर के घाट में रविवार की सुबह नहाने गई थीं।चारों नहाते समय गहरे पानी में चली गई और डूबने लगीं। घाट पर ही गांव की दो महिला नहा रहीं थी। दोनों चिल्लाने लगी तो पास में मौजूद एक ग्रामीण ने एक बच्ची को बचा लिया, जबकि तीन डूब गई।

जानकारी लगते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर थाना प्रभारी दिनेश तिवारी बल के साथ पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से बालिकाओं की खोज शुरू की। जिसमें सिद्धि और अंशिका के शव मिले हैं और मानवीय की तलाश जारी है।हालांकि मानवीय बालिकाओं के साथ थी या नहीं इसको लेकर भी संशय है। गांव में भी उसकी तलाश की गई है, लेकिन वह नहीं मिली। जिसके चलते उसके भी डूबने की आशंका को लेकर तलाश जारी है। दोनों बच्चियों के शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमरियापान भेजे गए हैं।

इंटरनेट पर सर्च किया अस्पताल का नंबर, ठग से हो गया संपर्क... 47 हजार का पड़ा अपॉइंटमेंट

जबलपुर । एक युवक ने मां की बेहतर चिकित्सा जांच के लिए इंटरनेट पर अच्छे निजी अस्पताल का फोन नंबर ढूंढा। उस नंबर पर फोन किया तो उसका संपर्क ठग से हो गया। जांच के लिए अपॉइंटमेंट लेते ही युवक के बैंक खात से 46 हजार 999 रुपये कट गए।

युवक ने शनिवार को पुलिस से मामले की शिकायत की है। अधारताल पुलिस जांच कर रही है। गलगला चौक निवासी आशीष कुमार गुप्ता की मां अस्वस्थ्य थी। उन्होंने जांच कराया लेकिन चिकित्सा से संतुष्ट नहीं थे। मां को निजी अस्पताल में दिखाने का सोचा। इंटरनेट के माध्यम से अच्छे अस्पताल की तलाशना शुरू किया।तीन मार्च को एक अस्पताल का संपर्क नंबर प्राप्त हुआ। संबंधित नंबर पर युवक ने फोन किया तो बात करने वाले ने अपॉइंटमेंट के लिए 10 हजार रुपये शुल्क होने की जानकारी दी। आशीष के सहमति देने पर बातचीत के दौरान ही उसके फोन पर एक लिंक भेजा, जिसमें विवरण भरने कहा। उसने लिंक खोला तो फोन हैंग होने लगा।

बैंक से रुपये कटने का मैसेज आया-संदेह होने पर उसने तुरंत लिंक को बंद किया और फोन कॉल काट दिया। कुछ देर बाद आशीष के फोन पर एक संदेश आया, जिसमें सात मार्च को सुबह 11 बजे अपॉइंटमेंट होने की जानकारी थी। इसके कुछ देर बाद ही आशीष के बैंक खाता से 46 हजार 999 रुपये कट गए।

सांवेर रोड से शिवशक्ति नगर तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

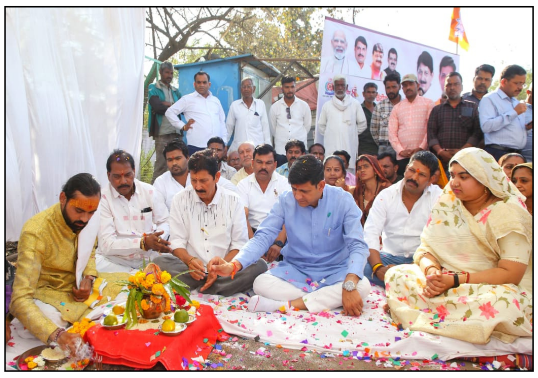

इंदौर। वार्ड क्रमांक 17 में विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत सांवेर रोड पेट्रोल पंप से शिवशक्ति नगर हनुमान मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला ने विधिवत भूमि पूजन कर इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ किया, जिसकी अनुमानित लागत ?1.89 करोड़ है।

सड़क निर्माण को इंदौर शहर के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इस परियोजना के तहत 0.58 किलोमीटर लंबी और 30 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा, जो छह लेन की होगी। सड़क में सेंट्रल मिडियन, स्टॉर्म वॉटर लाइन, फुटपाथ, सेंट्रल लाइटिंग और इलेक्ट्रिक लाइन शिफ्टिंग जैसी सुविधाएँ भी शामिल रहेंगी।

इस सड़क के निर्माण से शिवशक्ति नगर और आसपास की कॉलोनियों को मुख्य मार्ग सांवेर रोड से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे स्थानीय निवासियों और औद्योगिक इकाइयों को आवागमन में सुविधा होगी और यातायात सुगम बनेगा।

शुभारंभ कार्यक्रम में जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़, क्षेत्रीय पार्षद सोनाली विजय परमार, नगर निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस सड़क परियोजना की कुल लागत ?8.19 करोड़ निर्धारित की गई है, जिसे चरणबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा।

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत किया और नगर निगम व जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। लोगों ने उम्मीद जताई कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होकर क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान करेगा।

कबीटखेड़ी में शासकीय उन्नत माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

इंदौर। वार्ड क्रमांक 33 कबीटखेड़ी स्थित शासकीय उन्नत माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, वार्ड पार्षद मनोज मिश्रा तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

करीब 1 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक तीन मंजिला विद्यालय भवन को विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। प्रत्येक मंजिल पर तीन कक्षाओं और एक विशाल हॉल की व्यवस्था की गई है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

लोकार्पण समारोह में विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि यह विद्यालय भवन क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक नई सौगात साबित होगा और उनके शैक्षणिक विकास में सहायक होगा। उन्होंने सरकार की ओर से शिक्षा के उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने वक्तव्य में कहा कि इंदौर में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और इस नए भवन से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव होगा।

जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने विद्यालय भवन के निर्माण को विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे उन्हें बेहतर और प्रेरणादायक वातावरण मिलेगा। वार्ड पार्षद मनोज मिश्रा ने इस परियोजना को क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और इसके लिए प्रशासन को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर समाजसेवी अशोक खंडेलवाल, क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, स्थानीय निवासी, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यालय भवन के निर्माण के लिए नगर निगम और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले के मॉडल विलेज गोकल्याकुंड में हो रहे है जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार के कार्य

इंदौर। आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं सहयोगी संस्था डी एस सी और एनसीएचएसई द्वारा क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग भोपाल) के तहत इंदौर जिले के मॉडल विलेज गोकल्याकुंड में जिले की गठित परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल के माध्यम से किए गए चार कॉम्पोनेंट के तहत कार्यों का अवलोकन किया गया। जिसमें फसल प्रदर्शन प्लॉट, त्रम्म्म पद्धति से बुवाई चैक डेम, गेबीयन, मेड़ बंधान , फलदार पौध रोपण, आजीविका गतिविधि आईटीसी मिशन सुनहरा कल के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया तथा बहुमूल्य सुझाव दिए गये। जिले के शासकीय विभागों से आए हुए विभिन्न अधिकारियों द्वारा जिले में चल रही शासन की योजनाओं से अवगत कराया गया।

आईटीसी मिशन सुनहरा कल के कार्यक्रम अधिकारी सहयोग तिवारी द्वारा परियोजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । एमपीएसआरएलएम के अधिकारी डी पी एम श्री हिमांशु शुक्ला ने विभाग द्वारा क्षेत्र की महिलाओं का सशक्तीकरण, समूहों के वित्तीय लिंकेज, योजना सखी, पशु-सखी, कृषिसखी,ड्रोन दीदी केडर के बारे मे जानकारी दी तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 तक 50 हजार लखपती दीदी बनाने के लक्ष्य के बारे मे जानकारी दी। जिले के पशुपालन विभाग के डॉ. सी.एस. डावर द्वारा जिले में विभाग के तहत टीकाकरण, ऐआई,पशुपालन केसीसी तथा डेयरी परियोजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

महानिरीक्षक पंजीयन श्री अमित तोमर ने पंजीयन कार्यालयों का किया निरीक्षण

आम नागरिकों, सेवा प्रदाताओं और अधिवक्ताओं से लिए फीडबेक और सुझाव

इंदौर। महानिरीक्षक पंजीयन श्री अमित तोमर ने आज शनिवार को इन्दौर के रजिस्ट्रार कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री यू.एस. बाजपेई परिक्षेत्रीय उप महानिरीक्षक पंजीयन उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान श्री तोमर ने आम नागरिकों, सेवा प्रदाताओं और अधिवक्ताओं से लिए फीडबेक और सुझाव। इस दौरान मोतीतबेला, कलेक्ट्रेट स्थित पंजीयन कार्यालय, इन्दौर-1 तथा ढक्कन वाला कुआ स्थित पंजीयन कार्यालय, इन्दौर-2 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिकार्डरूम, पुराने रिकार्ड के डिजिटलाईजेशन की व्यवस्था और जिला पंजीयक कार्यालयों में केस निराकरण का निरीक्षण किया गया।

श्री तोमर द्वारा रजिस्ट्रार कार्यालयों में मार्च महीने में आम नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी ली और उनका निरीक्षण किया। उन्होंने बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने, पार्किंग सुविधा को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पीने के स्वच्छ पानी, टॉयलेट और गर्मी से बचाव की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिवक्तागणों, आम पक्षकारों और सेवा प्रदाताओं से रजिस्ट्रार कार्यालयों में सम्पदा 1.0 एवं सम्पदा 2.0 के संबंध में फीडबेक लिया। इस दौरान मोतीतबेला कार्यालय में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं और सेवा प्रदाताओं ने महानिरीक्षक पंजीयन से चर्चा की। श्री तोमर द्वारा सुझावों और फीडबेक को गंभीरतापूर्वक सुना और निराकरण का आश्वासन दिया। अधिवक्ताओं और सेवा प्रदाताओं द्वारा सम्पदा 1.0 में स्लॉट बढ़ाये जाने और सम्पदा 2.0 में जियो टेगिंग की समस्या का समाधान करने के लिए श्री तोमर को धन्यवाद दिया। श्री तोमर द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर तत्परतापूर्वक दस्तावेजों का पंजीयन कार्य किया जाए, ताकि आम नागरिकों को कठिनाई न हो। स्थानीय समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लिया जाकर उनका समाधान किया जाये।

चलित आजीविका फ्रेश से उपलब्ध होंगी रसायन रहित सब्जियाँ

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागृह में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूहों कि एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष, श्रीमती रीना सतीश मालवीय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संजय तिवारी, स्वय सहायता समूह सदस्य , कृषि सखिया आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में महिला दिवस के उपलक्ष्य में राज्य मुख्यालय से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कि अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखया गया। उक्त कार्यशाला में उपस्थित महिला समूह सदस्यों को विभागीय योजनाओ के साथ-साथ शासन की महत्वपूर्ण योजनाओ की जानकारी दी गई। उपरोक्त के क्रम में ऑटो क्लस्टर से वरिष्ठ अधिकारियो दीन दयाल उपाध्याय - ग्रामीण कोशल्य योजना कि जानकरी समूह कि महिलाओ को प्रदाय किया। इस दौरान

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व wotar.org संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे व अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओ कि जानकारी प्रदाय कि गयी व महिला दिवस पर उपस्थित समूह सदस्यों को उपहार भी भेट किये गये।

कार्यशाला की मुख्य थीम रसायन रहित खेती रही व इससे होने वाले लाभों को सभी समूह सदस्यों तक पहुँचाना व खेती को लाभ का व्यवसाय किस तरह बनाया जाए के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर समूह सदस्यों ने उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों व जेविक उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई। इंदौर शहर में ताजी व रसायन रहित सब्जिया उपलब्ध कराये जाने हेतु चालित आजीविका फ्रेश वाहनों का उद्घाटन भी जिला पंचायत अध्यक्ष वह्र मुख्य कार्यपालन आधिकारी जिला पंचायत द्वारा किया गया। उक्त वाहनों में मुख्य रूप से समूह सदस्यों द्वारा उनके स्वयं के खेत में उत्पादित कि जा रही रसायन रहित सब्जियों को उचित बाजार उपलब्ध कराते हुए समूह सदस्यों कि आजीविका में वृद्धि करना उद्देश्य है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी उपस्थित सम्मूह सदस्यों को महिला दिवस कि शुभकामनाये प्रदाय करते हुए मार्गदर्शित किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने बताया कि प्रारम्भिक रूप से चलित आजीविका फ्रेश जिसमे रसायन रहित सब्जिया व अन्य जिलो के जेविक उत्पाद इंदौर शहर में आसानी से उपलब्ध हो सके इस हेतु चालित आजीवका फ्रेश वाहन प्रारम्भ किये गए है जिनका संचालन समूह सदस्यों द्वारा ही किया जायेगा भविष्य में जिला मुख्यालय पर स्थाई रूप से जेविक हाट बाजार प्रारम्भ किया जाना है जिसमे इंदौर जिले सहित संभाग के अन्य जिलो में समूह सदस्यों द्वारा उत्पादित रसायन रहित उत्पाद विक्रय किये जायेंगे। कार्यशाला के दौरान अतिथियों द्वारा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन उत्कृष्ट कार्य करने वाली समूह सदस्यों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

छावनी में लक्ष्मीनारायण दूध भंडार पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर। मालवा में दूध के कढ़ाव प्रसिद्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छावनी पहुंचकर अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ गर्म दूध का स्वाद तो लिया लेकिन उसके पैसे चुकाना नहीं भूले। साथ में विधायक श्री शुक्ला और दुकानदार के पैसे न देने के आग्रह को उन्होने नहीं स्वीकारा और एक ग्राहक होने का कर्तव्य समझते हुए दूध का मूल्य भी चुकाया।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने महिला कुश्ती पहलवानों का हौसला बढ़ाया

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज दलाल बाग इंदौर में आयोजित देवी अहिल्या होलकर अंतराष्ट्रीय महिला कुश्ती प्रतियोगिता में पहुंच कर महिला पहलवानों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, श्री आकाश विजयवर्गीय, तथा अन्य जनप्रतिनिधि ,ओलंपियन साक्षी मलिक मौजूद थीं।

दैनिक हिन्दकुश

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

तीन दिनों तक विविध सत्रों का होगा आयोजन, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास सामगम का शुभारंभ आज

उज्जैन । महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय इतिहास सामगम का शुभारंभ आज प्रातः 10-30 बजे पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास अकादमी में होगा। इस सामगम में अमेरिका से शोध अध्येता डॉ. श्रैयाहरि तथा नेपाल के राष्ट्रपति के संस्कृति सलाहकार डॉ. लक्ष्मण पंथी भी शामिल होंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्यवक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुंद पांडे होंगे। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भारतीय पुरातत्वविद पद्मश्री के.के. मोहम्मद तथा सारस्वत अतिथि के रूप में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही विशेष अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री जी के संस्कृति सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहनलाल चधर, बैंगलोर के डॉ. स्मिथा एस. कुमार रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज करेंगे।

10 मार्च से शुरू हो रहे तीन दिवसीय इस सामगम में भारतीय इतिहास को लेकर गंभीर विचार विमर्श होगा। कार्यक्रम को पाँच सत्रों में बांटा गया। जिसमें देश और विदेश के विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसी के साथ सत्रों में शोधार्थियों द्वारा अपने पत्र भी पढ़े जाएंगे। इस सामगम के संयोजक अश्विनी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. आर.सी. ठाकुर, शासकीय कन्या स्नातोकोत्तर महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रशांत पुराणिक एवं विक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पुरातत्वविद डॉ. रमण सोलंकी है।

ऐतिहासिक निर्णय पर हिंदू संगठन 11 मार्च को करेंगे मुख्यमंत्री के चित्र का दूध से अभिषेक

उज्जैन। धर्मांतरण और लव जिहाद के कानून में महत्वपूर्ण बदलाव और फांसी की सजा की घोषणा करने वाले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्णय का हिंदू संगठन ने स्वागत किया है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए 11 मार्च सोमवार को संविधान के रचयिता बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास मुख्यमंत्री के चित्र का दूध से अभिषेक संपूर्ण हिंदू संगठन के कार्यकर्ता करेंगे व बाबा साहब अंबेडकर के मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे।

मनीष सिंह चौहान के अनुसार दोपहर 12 से 1 के बीच संपूर्ण हिंदू संगठन के पदाधिकारी नाबालिक सनातन धर्म के बच्चे को मंदसौर थाना प्रभारी रानी बेग के द्वारा जबरन खतना कर इस्लाम धर्म काबुल कराने के विरोध में धरना देंगे। इस दौरान मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत, युवा शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट, राष्ट्रीय बजरंग दल, अखिल भारत संत महासभा, श्री महाकाल युवा हिंदू संगठन, धर्मवीर बजरंग दल, श्री पावन धाम गौशाला हिंदू संगठन, अखिल भारत हिंदू महासभा, महिला मोर्चा, भारत रक्षा मंच, वाल्मीकि समाज, श्रीनाथ रावल समाज सेवा समिति, श्री हनुमान भक्त मंडल सेवा और धार्मिक सेवा समिति उज्जैन, माझी समाज सेवा समिति उज्जैन, रापी समाज सेवा समिति उज्जैन सहित सभी हिंदू संगठन व सामाजिक संगठन के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री यादव और उज्जैन आईजी के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा।

राष्ट्रीय युवा उत्सव में विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा नोएडा, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में विक्रम विश्वविद्यालय ने कई पुरस्कार अर्जित कर अपना परचम लहराया।

विद्यार्थियों के दल के टीम मैनेजर एवं विक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षक इंजीनियर द्वारिका प्रसाद ने बताया कि माइम विधा के अंतर्गत प्रदीप जूनवाल, नैना बेलिया, नेहा सिसोदिया, वर्षा ठाकुर, दीपक दुबे, तनवीर अहमद के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। साथ ही कार्टूनिंग, क्ले मॉडलिंग एवं रंगोली में देव परमार ने क्रमशः प्रथम, तृतीय और तृतीय स्थान अर्जित किया। विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

विद्यालय परिवार ने किया सेवानिवृत्ति पर सम्मान

उज्जैन। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय कार्तिक चौक उज्जैन के राष्ट्र के शिखर सम्मान से सम्मानित प्रधानाध्यापक राकेश भार्गव की सेवानिवृत्ति पर मालवी पगड़ी, सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल, सूटकेस देकर सम्मानित किया। उक्त जानकारी देते हुए शाला प्रभारी वासुदेव मंडलोई ने बताया श्री भार्गव ने 38 वर्ष के सेवाकाल में हमेशा शाला के बच्चों के सर्वांगीण विकास का कार्य किया है। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त समाज के दिव्यांगजन को आत्म निर्भर बनाने एवं समाज के मुख्यधारा से जोड़ने का अहम प्रयास किया है। राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित होकर शाला एवं हम सभी को भी गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में जाकिर हुसैन देहलवी, कमल किशोर केलिया, सरस्वती चौहान, उपमा शर्मा, गिरजा दुबे, प्रीति भार्गव, निर्मलासिंह राठौर, सविता शर्मा, ज्योत्सना करडे, राजेश शर्मा, शिवम भार्गव, सूरज प्रसाद माली आदि ने भी सम्मान में सहभागिता की।

उज्जैन में पूर्ण शराबबंदी के समर्थन में निकाली 'धन्यवाद साइकिल यात्रा'

सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का संयुक्त आयोजन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 24 जनवरी को देवी अहिल्या बाई की? 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में? खरगोन के महेश्वर में? हुई कैबिनेट बैठक में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन सहित प्रदेश के 13 शहरो और चार ग्रामीण क्षेत्रों में 1 अप्रैल से शराब बेचने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। उनके इस निर्णय के समर्थन में सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला उज्जैन ने शहर की जनता की ओर से उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए 9 मार्च रविवार सुबह टॉवर चौक पर 'धन्यवाद साइकिल यात्रा कार्यक्रम' का आयोजन किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शिव प्रसाद मालवीय संभाग समन्वयक उज्जैन ने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा धार्मिक नगर में शराबबंदी के निर्णय से शहर में एक अच्छा वातावरण निर्मित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश सोलंकी संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग उज्जैन द्वारा संस्थाओं कि इस पहल को सराहनी बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतीश सोलंकी संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग एवं विशिष्ट अतिथि शिव प्रसाद मालवीय संभाग समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद उज्जैन ने 'धन्यवाद साइकिल यात्रा' में शामिल होने वाले साइकिल यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टॉवर चौक से आरंभ हुई साइकिल यात्रा शहिद पार्क से घासमंडी, संजीवनी हॉस्पिटल, तरणताल, कोठी महल, देवास रोड, बिरला चौराहा, कोस्मोस माल, नानाखेड़ा बसस्टैंड, तीन बत्ती से होते हुए टॉवर चौक पहुंची। जहाँ पर धन्यवाद साइकिल यात्रा कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर जन अभियान परिषद जिला समन्वयक जय दीक्षित, सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर, सचिव विवेक मेश्राम, सदस्य रोहित येवले, मयंक तिवारी, अमित परमार, शिव केवट, परामर्शदाता सुनील बारोड, गोपाल सोनी, विकेंद्र शर्मा, नवांकुर संस्था से विजय शर्मा करुणा शितोले स्वैच्छिक संगठनो एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित हुए। संचालन जन अभियान परिषद के अरुण व्यास ने किया और आभार पी टी आई अनिल निकम ने माना। यह जानकारी डॉ. उदित्य सिंह ने दी।

रिद्धियाँ-सिद्धियाँ सुख अयन बेटियाँ - डॉ. आर.पी. तिवारी

उज्जैन। नारी तुम श्रद्धा हो, विश्वास हो, ममता हो, लक्ष्मी सरस्वती, गायत्री और दुर्गा हो, सत्यनारायण सत्येन्द्र द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य गोष्ठी में कविता का पाठ किया गया। संस्था अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की उपस्थिति में डॉ. आर.पी. तिवारी ने रिद्धियाँ-सिद्धियाँ सुख अयन बेटियाँ, वंश के वृक्ष की हैं सुमन बेटियाँ गीत सुनाया। डॉ. सखा पाहवा के निवास पर सम्पन्न हुई गोष्ठी में रामदास समर्थ द्वारा गीत बँधे हुए धुरी से जब तक, तक है जीवन, रुके कदम तो रम पम-पम, सारा खेल हुआ ख़तम सुनाया। अवधेश वर्मा नीर ने नवयुवकों में जो जगाती रचना सही सपने वे ही हैं जो मनुष्य को नींद न आने दें पढ़ी। विनोद काबरा ने हर तरह के मीडिया पर टिपण्णी करती हुई रचना जिन्हें पढ़कर, सुनकर, देखकर कोसों दूर हो जाता है सुख सकून पढ़ी। तबस्सुम की असलियत तन्हाइयां जानती हैं, इंसा के कुछ राज परछाइयां जानती हैं डॉ. विजय सुखवानी ने महिला दिवस के अवसर पर कुछ अच्छे अशआर पढ़े। अक्षय चवरे ने फागुन पर गीत झुरमुट में उतारी अब फागुनी शाम है पढ़ा तो विजयसिंह गेहलोत साकित ने ग़ज़ल आँखों से अपना दर्द बहा भी नहीं सकते, सीने की आग मय से बुझा भी नहीं सकते सुनायी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com